Daily Current Affairs 31/08/2021

1. प्रधानमंत्री जन-धन योजना ने सात वर्ष पूरे किए

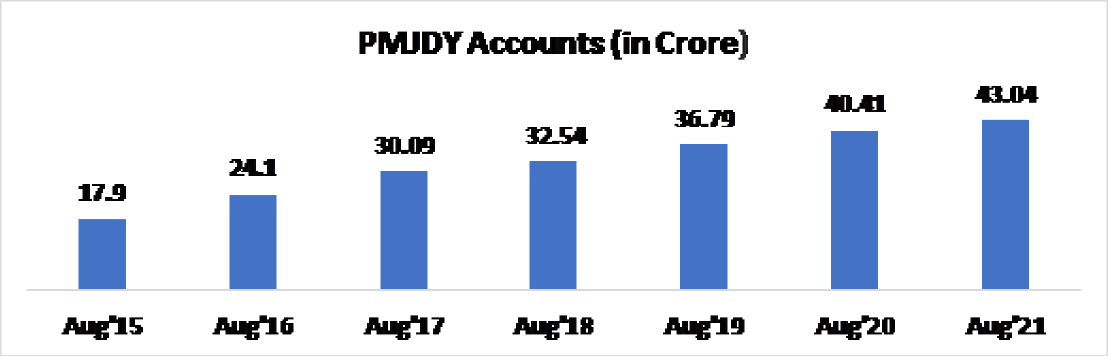

चर्चा में क्यों?

- **प्रधानमंत्री जन-धन योजना (PMJDY)** - वित्तीय समावेशन का राष्ट्रीय मिशन, ने अपने सफल कार्यान्वयन के **सात वर्ष** पूरे किए।

प्रमुख बिंदु

प्रधानमंत्री जन-धन योजना (PMJDY) के बारे में:

- PMJDY की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 2014 को की थी और इस योजना को 28 अगस्त 2014 को शुरू किया गया था।

पृष्ठभूमि:

- PMJDY वित्तीय सेवाओं यानी बैंकिंग / बचत और जमा खाते, विप्रेषण, जमा, बीमा, पेंशन तक किफायती तरीके से पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में वित्तीय समावेशन का एक राष्ट्रीय मिशन है।

उद्देश्य:

- सस्ती कीमत पर वित्तीय उत्पादों और सेवाओं तक पहंच सुनिश्चित करना
- लागत कम करने और पहुंच बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग

प्रभाव:

- PMJDY जन-केंद्रित आर्थिक पहलों की आधारशिला रही है। चाहे वह प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण हो, COVID-19 वित्तीय सहायता, PM-किसान, मनरेगा के तहत बढ़ी हुई मजदूरी, जीवन एवं स्वास्थ्य बीमा कवर हो, इन सभी पहलों का पहला कदम प्रत्येक वयस्क को एक बैंक खाता प्रदान करना है, जिसे PMJDY ने लगभग पूरा कर लिया है।
- इसका एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि प्रधानमंत्री जन-धन खातों के जरिए DBT ने यह सुनिश्चित किया है कि प्रत्येक रुपया अपने इच्छित लाभार्थी तक पहुंचे और प्रणालीगत रिसाव को रोका जा सके।

PMJDY के तहत उपलब्धियां- 18 अगस्त 2021 की स्थिति के अनुसार:

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams

Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- **खाते:** 18 अगस्त 2021 को PMJDY खातों की कुल संख्या: 43.04 करोड़; 55.47% (23.87 करोड़) जन-धन खाताधारक महिलाएं हैं और 66.69% (28.70 करोड़) जन धन खाते ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में हैं।
- **जमा:** PMJDY खातों के तहत कुल जमा शेष राशि 1,46,230 करोड़ रुपये
- **रुपे कार्ड:** PMJDY खाताधारकों को जारी किए गए रुपे कार्ड की कुल संख्या: 31.23 करोड़

जन धन दर्शक ऐप:

- देश में बैंक शाखाओं, ATM, बैंक मित्रों, डाकघरों आदि जैसे बैंकिंग टच प्वाइंट्स का पता लगाने के लिए एक नागरिक केंद्रित प्लेटफार्म प्रदान करने के लिए एक मोबाइल एप्लिकेशन का शुभारंभ किया गया।
- इस एप्प का उपयोग उन गांवों की पहचान करने के लिए भी किया जा रहा है, जहां पांच किलोमीटर के भीतर बैंकिंग टच प्वाइंट्स द्वारा सेवा नहीं प्रदान की जाती है।

PMJDY के महिला लाभार्थियों के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज:

- COVID लॉकडाउन के दौरान महिला PMJDY खाताधारकों के खातों में कुल 30,945 करोड़ रुपये जमा किए गए।

आगे की राह:

- सूक्ष्म बीमा योजनाओं के तहत PMJDY खाताधारकों का कवरेज सुनिश्चित करने का प्रयास। पात्र PMJDY खाताधारकों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJBY) और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (PMSBY) के तहत कवर किया जाएगा।
- PMJDY खाताधारकों की फ्लेक्सी-आवर्ती जमा आदि जैसे माइक्रो-क्रेडिट और माइक्रो निवेश तक पहुंच को बेहतर बनाना।

स्रोत: PIB

2. समृद्ध (SAMRIDH) योजना

चर्चा में क्यों?

- **इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने "उत्पाद, नवाचार विकास और वृद्धि के लिए MeitY के स्टार्ट-अप एक्सीलेरेटर (समृद्ध)" योजना** शुरू की।

प्रमुख बिंदु

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

समृद्ध योजना के बारे में:

- इसे **MeitY स्टार्ट-अप हब** (MSH) द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।
- यह भारतीय सॉफ्टवेयर प्रोडक्ट स्टार-अप्स के अपने उत्पादों को बढ़ाने के लिए एक सहायक मंच तैयार करेगा।
- यह उन स्टार्टअप्स को चुनेगी, जो तेज गति से आगे बढ़ने (एक्सलरेशन स्टेज) के लिए तैयार हैं और उन्हें इस स्तर पर जरूरी वित्तीय सहायता, संरक्षण और कई अन्य तरह की मदद प्रदान की जाएगी।
- यह अगले तीन वर्षों में ग्राहक संपर्क, निवेशक संपर्क और अंतरराष्ट्रीय पहुंच प्रदान करके **300 स्टार्ट-अप्स** को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेगा।
- स्टार्ट-अप के मौजूदा मूल्यांकन व विकास के चरण के आधार पर स्टार्ट-अप **में 40 लाख रुपये** तक का निवेश चयनित एक्सीलेरेटरों के माध्यम से किया जाएगा।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय स्टार्ट-अप वृद्धि को आगे बढ़ाना है, जिसमें 63 यूनिकॉर्न सामने आए हैं, जो अब 168 बिलियन अमेरीकी डॉलर के कुल मूल्यांकन के साथ वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा यूनिकॉर्न हब है।

अन्य संबंधित पहलें:

- राष्ट्रीय स्टार्टअप सलाहकार परिषद
- स्टार्ट अप इंडिया फंड
- आत्मानिर्भर भारत ARISE-अटल न्यू इंडिया चैलेंज
- AIM-iCREST
- स्टार्ट-अप सेल

स्रोत: PIB

3. पहली IBSA राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बैठक

चर्चा में क्यों?

- **हाल ही में, भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA), अजीत डोभाल ने IBSA (भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका) राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की उद्घाटन बैठक की मेजबानी की।**
- IBSA देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की यह पहली ऐसी बैठक

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams

Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

थी, जो दुनिया में बढ़ती राजनीतिक और सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए तीनों देशों के बीच घनिष्ठ सहयोग के महत्व को दर्शाती है।

- भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका तीन बड़े विकासशील देश हैं जो लोकतंत्र और बहुलवाद के समान मूल्यों से बंधे तीन अलग-अलग महाद्वीपों में स्थित हैं। वे सभी समुद्री राष्ट्र भी हैं।

प्रमुख बिंदु

- बैठक के दौरान समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई और अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध और साइबर सुरक्षा पर चर्चा हुई।
- प्रतिभागियों ने सहमति व्यक्त की कि आतंकवाद, विशेष रूप से, राज्य के प्रायोजन के माध्यम से किया गया सीमा पार आतंकवाद, वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए सबसे शक्तिशाली खतरा बना हुआ है और इसे एकजुट प्रयासों के माध्यम से लड़ा जाना चाहिए।

नोट:

- बैठक अगले **IBSA नेताओं के शिखर** सम्मेलन के लिए तैयारी प्रक्रिया के हिस्से के रूप में बुलाई गई थी जो **IBSA की भारत की अध्यक्षता के दौरान 5 सितंबर 2021** को होने वाली है।
- भारत की अध्यक्षता का विषय **"जनसांख्यिकी और विकास के लिए लोकतंत्र"** है।

स्रोत: न्यूज़ऑनएयर

4. भारत-कजाकिस्तान संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास "काजिन्द-21"

चर्चा में क्यों?

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- **भारत-कजाकिस्तान संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास का 5वां संस्करण "काजिन्द-21"** ट्रेनिंग नोड, आइशा बीबी, कजाकिस्तान में शुरू हुआ।
- यह 30 अगस्त से 11 सितंबर 2021 तक आयोजित किया जा रहा है।

प्रमुख बिंदु

- अभ्यास दोनों सेनाओं के बीच एक संयुक्त प्रशिक्षण है, जो भारत और कजाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देगा।
- यह अभ्यास भारत और कजाकिस्तान के सशस्त्र बलों को संयुक्त राष्ट्र के जनादेश के तहत पहाड़ी, ग्रामीण क्षेत्रों में उग्रवाद और आतंकवाद निरोधी अभियानों में दक्ष करने का एक अवसर प्रदान करेगा।

नोट:

- **अभ्यास काजिन्द** एक वार्षिक कार्यक्रम है जो वैकल्पिक रूप से कजाकिस्तान और भारत में आयोजित किया जाता है।
- **अभ्यास काजिन्द का चौथा संस्करण** 2019 में उत्तराखंड में आयोजित किया गया था।

स्रोत: PIB

5. साहित्य अकादमी ने 2020 ओडिया, मलयालम पुरस्कारों की घोषणा की

चर्चा में क्यों?

- साहित्य अकादमी ने लेखकों **यशोधरा मिश्रा** और **ओमचेरी एनएन पिल्लई** को **क्रमशः ओडिया और मलयालम में उनके कार्यों के लिए 2020 पुरस्कारों के विजेता** के रूप में नामित किया।

प्रमुख बिंदु

- सुश्री यशोधरा मिश्रा को उनके काम 'समुद्रकूल घर' के लिए और श्री ओमचेरी एनएन पिल्लई को उनके काम 'आकस्मिकम् ओरम्मक्कुरिप्पुकल' के लिए चुना गया है।

साहित्य अकादमी के बारे में:

- साहित्य अकादमी अंग्रेजी सहित 24 भाषाओं में साहित्यिक कार्यों के लिए पुरस्कार प्रदान करती है।
- इसे 1954 में स्थापित किया गया था और इस पुरस्कार में एक ताम्रफलक, एक शॉल और एक लाख रूपए का नकद पुरस्कार शामिल है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams

Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

नोटः

- 2020 के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कारों की घोषणा मार्च 2021 में 20 भाषाओं में साहित्यिक कार्यों के लिए की गई थी

स्रोतः द हिंदू

6. प्रख्यात बंगाली लेखक बुद्धदेव गुहा का निधन

- प्रख्यात बंगाली लेखक बुद्धदेब गुहा, "मधुकरी" (हनी गैदरर) जैसी कई उल्लेखनीय रचनाओं के लेखक, का 85 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
- गुहा 1976 में आनंद पुरस्कार और बाद में शिरोमणि पुरस्कार और शरत पुरस्कार सहित कई पुरस्कारों के प्राप्तकर्ता थे।
- उनकी दो कृतियों "बाबा होवा" (बीइंग ए फादर) और "स्वामी होवा" (बीइंग ए हसबैंड) पर आधारित एक पुरस्कार विजेता बंगाली फिल्म 'डिक्शनरी' बनाई गई थी।
- वह एक लोकप्रिय बच्चों के लेखक भी थे, जिन्होंने काल्पनिक चरित्र रिजुदा और रुद्र का निर्माण किया।

स्रोतः द हिंदू

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams

Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now